आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 26.01.2025 समय : 0705

<><><><><><><><>

1. राष्ट्र आज छिहत्तरवां गणतंत्र दिवस मना रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली के कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस मनाने में राष्ट्र का नेतृत्व करेंगी।
2. श्री विजयपुरम के मरीना पार्क रोड़ में गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह का होगा। उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ध्वजारोहण करेंगे।
3. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया।
4. राष्ट्रपति ने वर्ष दो हजार पच्चीस के लिए एक सौ उनतालिस पद्म पुरस्कार प्रदान करने को मंजूरी दी।

<><><><><><><><>

राष्ट्र आज 76वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नई दिल्ली के कर्तव्य पथ से गणतंत्र दिवस मनाने में राष्ट्र का नेतृत्व करेंगी। गणतंत्र दिवस परेड सुबह साढ़े दस बजे शुरू होगी और लगभग नब्बे मिनट तक चलेगी। आकाशवाणी संवाददाता ने बताया कि कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड भारत की सांस्कृतिक विविधता और सैन्य कौशल का अनूठा मिश्रण होगा, जिसमें संविधान के लागू होने के पचहत्तर साल और जनभागीदारी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बग्गी में कर्तव्य पथ पर पहुंचेंगी और मार्च पास्ट की सलामी लेंगी, जिसमें सशस्त्र बल, अर्धसैनिक बल, सहायक नागरिक बल, एन सी सी और एन एस एस की इकाइयाँ शामिल होंगी।

<><><><><><><><>

पूरे देश के साथ आज द्वीपसमूह में भी छियहत्तरवां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। श्री विजयपुरम के मरीना पार्क रोड़ में मुख्य समरोह का आयोजन होगा। अब से कुछ देर बाद उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी सुबह आठ बजकर पैंतीस मिनट पर ध्वजारोहण करेंगे। गणतंत्र दिवस समारोह को देखते हुए श्री विजयपुरम में यातायात की विशेष व्यवस्था की गई है। उपराज्यपाल का काफिला फायर ब्रिगेड क्रॉसिंग, विकास भवन, स्काउट हट जंक्शन, वाई नारायण जंक्शन होते हुए सेल्यूलर जेल पहुंचेगा। सेल्यूलर जेल शहीद स्तंभ पर पुष्पांजलि समारोह के बाद, यह काफिला मरीना पार्क पहुंचेगा।

<><><><><><><><>

परेड में शामिल दस्ते को गर्ल्स स्कूल जंक्शन से उतारने के बाद ऐसे वाहनां को फायर ब्रिगेड की ओर रवाना किया जाएगा और समाप्ति के बाद ही उन्हं अपने–अपने इकाईयों की ओर रवाना किया जाएगा।

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित किया। अपने संदेश मे उन्होंने कहा कि संसद में पेश 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक में सुशासन की शर्तों को फिर से परिभाषित किया गया है। उन्होंने कहा कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' योजना शासन में निरंतरता को बढ़ावा दे सकती है। भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लाने का निर्णय इन प्रयासों में सबसे उल्लेखनीय रहे हैं। उन्होंने कहा कि नए अधिनियमों से दंड के स्थान पर न्याय प्रदान करने की भावना को आपराधिक न्याय प्रणाली के केन्द्र में रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि नए कानूनों में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध पर काबू पाने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। राष्ट्रपति ने कहा कि संविधान ने पिछले पचहत्तर वर्षों से देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने संविधान आलेखन समिति के अध्यक्ष डॉ. बी.आर. अंबेडकर और संविधान सभा के अन्य प्रतिष्ठित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारा हमेशा से भारत की सभ्यतागत विरासत का हिस्सा रहे हैं।

<><><><><><><>

द्वीपों के उपराज्यपाल एडमिउल डी. के. जोशी ने द्वीपवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि आज ही दिन उन्नीस सौ पचास में हमारा भारत वर्ष एक गौरवशाली संप्रभुत्व–सम्पन्न, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में प्रतिष्ठित हुआ और आज हम ''विकसित भारत'' की दिशा में निंरतर प्रगतिशील है। उपराज्यपाल ने कहा कि यह दिवस राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान करने वाले हमारे वीर शहीदों एवं संविधान निर्माताओं के स्मरण में मनाया जाता है। उन्होंने कामना की है कि यह पर्व द्वीपवासियों के जीवन में शान्ति एवं प्रसन्नता लेकर आए।

<><><><><><><>

आज दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीप केंद्र शासित प्रदेश का स्थापना दिवस हैं। अपने संदेश में उपराज्यपल ने कहा कि यह दिन केंद्र शासित प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, प्राकृतिक वैभव और ऐतिहासिक विरासत को श्रद्धांजलि के रूप में भी मनाया जाता है। इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने द्वीप

समूह में रहने वाले दादर और नगर हवेली और दमन और दीप के लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं।

<><><><><><><>

राष्ट्रपति ने वर्ष दो हजार पच्चीस के लिए एक सौ उनतालिस पद्म पुरस्कार प्रदान करने को मंजूरी दी है। सूची में सात पद्म विभूषण, उन्नीस पद्म भूषण और एक सौ तेरह पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों में तेईस महिलाएं हैं। भारतीय लेखक एमटी वासुदेवन नायर, सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के पूर्व अध्यक्ष ओसामु सुजुकी और गायिका शारदा सिन्हा को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। गायक पंकज उधास को मरणोपरांत पद्म भूषण दिया गया है। पद्म विभूषण' असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए, 'पद्म भूषण' उच्च क्रम की विशिष्ट सेवा के लिए और 'पद्म श्री' किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। 'पद्म विभूषण' असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है; 'पद्म भूषण' उच्च कोटि की विशिष्ट सेवा के लिए और 'पद्म श्री' किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिए दिया जाता है। इन पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है।

<><><><><><><>

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने छिहत्तरवें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर तिरनब्बे वीरता पुरस्कारों की घोषणा की है। इसमें सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मी हैं, जिनमें ग्यारह को मरणोपरांत पुरस्कार दिया जाना शामिल है। इनमें एक मरणोपरांत सहित दो कीर्ति चक्र, तीन मरणोपरांत सहित चौदह शौर्य चक्र, एक सेना पदक वीरता बार, सात मरणोपरांत सहित सड़सठ सेना पदक, दो नौसेना पदक और आठ वायु सेना पदक शामिल हैं। मेजर मंजीत और नायक दिलावर खान को मरणोपरांत कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया है। कीर्ति चक्र साहसी कार्यों और आत्म–बलिदान के लिए दिया जाता है।

<><><><><><><>

गणतंत्र दिवस के मौके पर भारतीय नौसेना, तटरक्षक और जहाजरानी निदेशालय के जलयानों में आज और उनतीस जनवरी को बीटिंग द रिट्रीट के अवसर पर रोशनी की जाएगी। यह रोशनी शाम पांच बजकर पैंतालीस मिनट से रात्रि दस बजे तक मरीन फ्लैग पोस्ट पर की जाएगी।

<><><><><><><>